an>

title: Need to check the dubious inter-state friendship clubs fleecing the youth in the country.

श्रीमती दर्शना विक्रम जरदोश (सूरत) ः आज मैं एक ऐसे अन्तर्राज्यीय धंधे का विषय सरकार के संज्ञान में लाना चाहती हूं जिसका शिकार 20 से लेकर 52 साल की आयु के पुरूष हो रहे हैं एवं उनकी जिन्दगी के साथ खिलवाड़ ही नहीं, उनको आर्थिक नुकसान भी उठाना पड़ता है। आजकल ""प्रेण्डस क्लब"" क नाम से सुन्दर युक्ती या हैण्डसम युक्क से मित्रता का झांसा देकर ऐसे युक्कों को बर्बाद किया जा रहा है। यह एक अन्तर्राज्यीय स्तर पर फैला हुआ ऐसा जाल है जिसका विज्ञापन लगभग सभी समाचार-पत्रों में दिखाई दे रहा है। अहमदाबाद में अपराध शाखा द्वारा एक ऐसे गिरोह पर रेड करने पर जो बातें पता चली हैं वे चिंतित करने वाली हैं। सबसे पहले ऐसे युक्क से 1500 रूपए की मेंबरशिप फीस की मांग होती है। उसके बाद उससे 10 हज़ार एस.टी.डी. रोग से मुक्त है, ऐसा आरोग्य प्रमाण-पत्र के लिए मांगे जाते हैं। जब युक्क यह पैसे चुका देता है तब उस ऑफिस का फोन उठना बंद हो जाता है। जब युक्क को अपने पैसे डूबने का अहसास होता है तब अचानक किसी दिन फोन पर जवाब मिलता है उससे कहा जाता है कि अपने ऑफिस पर पुलिस की रेड थी और आपका नाम अभी तक नहीं दिया है। अगर पुलिस इंक्वायरी से बचना है तो लाखों रूपए मांगे जाते हैं। उनको पैसे जमा करने के लिए 18 अलग-अलग बैंक खातों के नंबर दिये गये थे जो देश के अलग-अलग शहरों में हैं। फोन पर बातें होने के कारण युक्क इस तरह प्रेण्डस क्लब के सदस्यों से अनजान होता है इसलिए इस प्रकार के केसों को साबित करना पुलिस के लिए भी कठिन होता है और अंतर्राज्यीय गिरोह होने से और भी परेशानियां आती हैं। अहमदाबाद में जो रेड की गई, उस क्लब की रोजाना आय लाखों में है।

अतः मेरा केंद्र सरकार से अनुरोध है कि अन्तर्राज्यीय स्तर पर फैले इस गिरोह जो जनता के साथ धोखाधड़ी करते हैं ऐसे क्लबों पर पाबंदी लगाने हेतु तत्काल कदम उठाए जाएं तथा उन पर अंकुश लगाने हेतु राज्यों के गृह विभाग के साथ मीटिंग कर कोई साझा नीति बनाई जाए तथा विज्ञापन देने वाले ऐसे क्लबों की जिम्मेदारी भी तय की जाए ताकि देश की 20 से 52 साल तक की पीढ़ी को बचाया जा सके।